INDIA NON JUDICIAL

५०००रु. Rs 5000

पांच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

चूंकि चन्द्रभाल सिंह व कृष्णपाल सिंह व वासुदेव सिंह व सूर्यपाल सिंह पुत्रगण श्री रामपाल सिंह निवासीगण भिलावां आलमबाग लखनऊ के हैं जो कि हम मुकिरान मुश्तरकन मालिक कामिल व काबिज एक किता मकान पुराना लोहौदा नम्बरी ५५१ क/३१ एक मंजिला पैमाइशी १०७ फुट ३ इंच चौड़ ४० फुट यानी ४२८० वर्ग फुट- स्थित रामनगर थाना कृष्णानगर लखनऊ के बिला शिरकत दीगरे हैं। जायदाद उपरोक्त हम मुकिरान की पैत्रिक सम्पत्ति है, जो कि रेहन बय, हिबा, जमानत तथा तमामी झगड़ों से बरी व पाक साफ है। अब बजरूरत खुदहा के उसी भवन संख्या ५५१ क/३१ पैमाइशी उपरोक्त मिल्कियत व हकियत खुदहा अपनी को मय कुल हकूक व हदूद दाखिली व खारिजी व

हिदोसा राजकीय [illegible]

[illegible]

पुत्र/पुत्री श्री [illegible]

पेशा [illegible] निवासी [illegible]

ने यह लेखपत्र कार्यालय उप-निबन्धक [illegible] में आज

दिनांक [illegible] बजे समय [illegible]

पर पंजीयन तथा अनुमति-प्रतिलिपि दिनांक [illegible]

17 की [illegible] प्रस्तुत किया।

उप-निबन्धक

पुत्र [illegible] पेशा [illegible]

निवासी [illegible]

पुत्र [illegible] पेशा [illegible]

निवासी [illegible]

उप-निबन्धक

[illegible] 1.5.8.2012

4560/- 4860/-

251—

रजिस्ट्रीकरण [illegible]

[illegible]

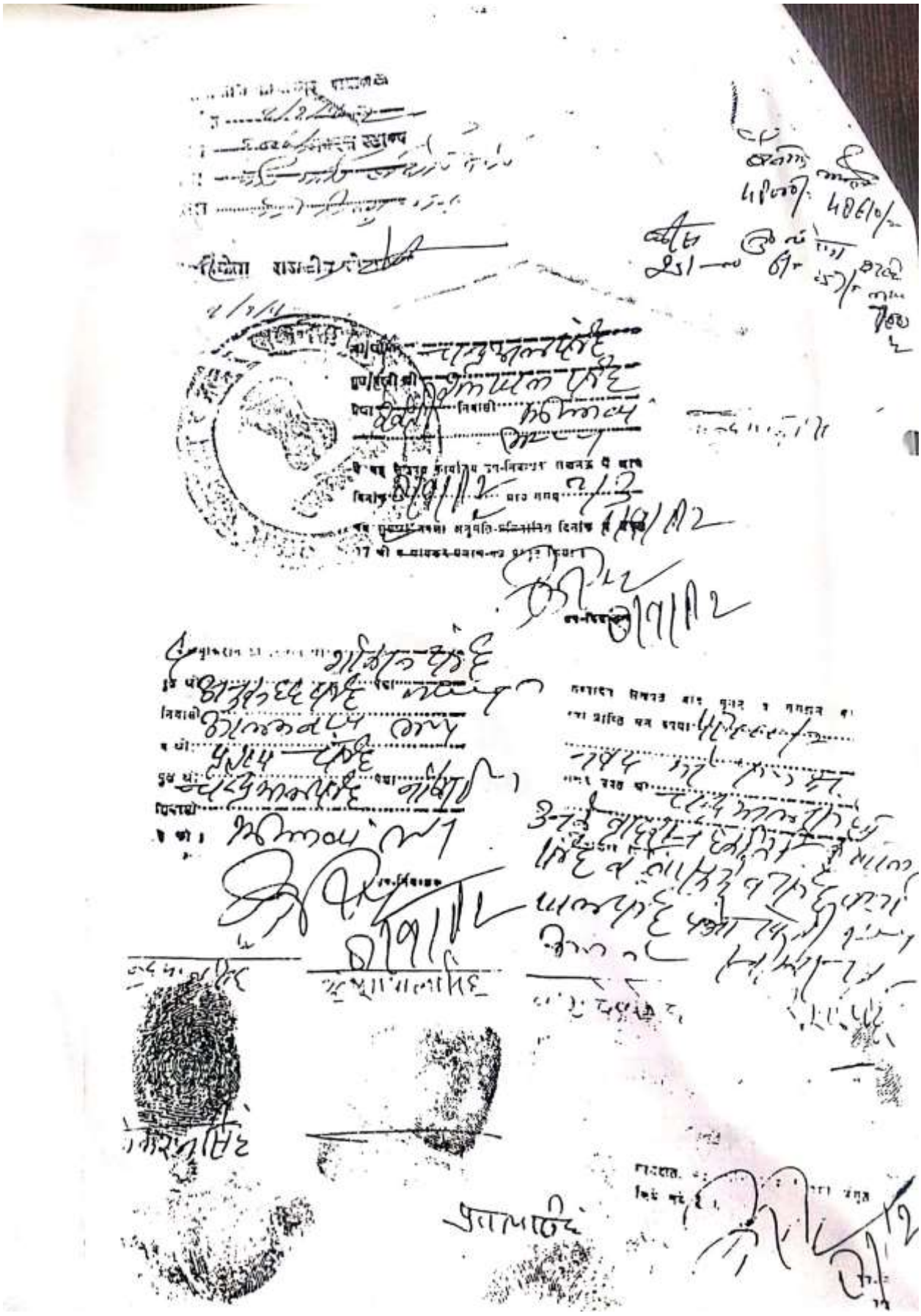

जुमला मालियत ४८८९०) होती है। और खरीदारान
किरायेदारान से किराया वसूल करे या तखलिया कराये लेवें
और हमारी व किरायेदारों से खाली कराने की कोई
इसमें हमको कोई आपत्ति न होगी। बेचने की
परमीशन दिनांक १-९-८२ संख्या १४९६ कार्यालय
न०भू०सी० लखनऊ से प्राप्त कर लिया है लिहाजा
यह बैनामा कतई लिख दिया ताकि सनद रहे और
समय पर काम आवे। - - - - - - - - - -

<u>चौहद्दी जायदाद बिक्री शुदा उपरोक्त</u>

पूरब :- ताड़ का पेड़ व प्लाट।
पच्छिम :- कानपुर रोड।
उत्तर :- गली बादहू मकान।
दक्षिण :- मकान पीकिर दास।

नोट :- पर्त हाजा के हाशिये पर (किरायेदारान) तहरीर है व सतर ३ में शब्द (होगी) के बाद (और हमारी किरायेदारों से खाली कराने की कोई जिम्मेदारी नही है) सतर के ऊपर गुंजान तहरीर है।

ह. [illegible] ह. [illegible] ह. [illegible] ह. [illegible]

तारीख आठ सितम्बर १९८२ई

[illegible] चन्द्र श्रीवास्तव
16 31.3.83
लखनऊ
[illegible] चन्द्र श्रीवास्तव

15776

स्टाम्प विक्रय ..... ता० 7/9/07
नाम खरीददार ..... श्रीमती लक्ष्मीदेवी
पता .....
स्टाम्प वेंडर ..... टपराड़
[illegible]

डी नं.।। जिल्द 2832 में सफा 138/138 में नं. 2111 आज दिनांक 3 को रजिस्ट्री हो गई C.S.R.

75 Rs.

पचहत्तर रुपये

भारत INDIA

SEVENTY FIVE RUPEES

75रु. 75RS

तमामी मुताल्लिकात उसके हम मुकिरान अपनी
खुशी व रजा से बदुरूस्ती होश हवास मे बिला
दाब नाजायज किसी के खूब सोच समझकर
बएवज मु० ४८०००) अड़तालिस हजार रूपया कि
आधी जिसके मु० २४०००) चौबिस हजार रूपया -
होते हैं बदस्त श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री जी० के०
राजानी व महेश कुमार पुत्र श्री जी० के० राजानी
निवासीगण ५५१/१२४, पूरन नगर आलमबाग शहर
लखनऊ के बेच दिया, और कुल जर कीमत
नक्द रूबरू हाकिम रजिस्ट्री खरीदारान से
वसूल पाकर कब्जा व दखल मालिकाना जायदाद
बिक्री शुदा पर आज से बजरिये कब्जा खुदहा के
खरीदारान को बखूबी करा दिया, अब हमको
व वारिसान हमारे को कोई हक व दावा किसी
प्रकार का जायदाद बिक्री शुदा मे बाकी नहीं
रहा, अगर कोई दावा करे तो वह बिल्कुल
नाजायज होवे, और कुल जुमला जवाब देही